बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-523**
16/08/2026

बिहार में ईको–टूरिज्म के विकास को मिलेगा नया आयाम, प्राकृतिक स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर

मुख्य बिंदु :–

- चरणबद्ध ढंग से राज्य के प्राकृतिक एवं वन क्षेत्रों, जलाशयों, पहाड़ी क्षेत्रों तथा अन्य पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटकों के लिए आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पर तेजी से कार्य करें।
- पी0पी0पी0 मोड के माध्यम से ईको–टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म एवं वाटर स्पोर्ट्स की परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन।
- बिहार में ईको–टूरिज्म की ब्रांडिंग एवं स्ट्रैटजिक प्रमोशन के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार एवं स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर।

पटना, 16 अगस्त 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में बिहार में ईको–टूरिज्म के समग्र विकास को लेकर समीक्षा की। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि राज्य के प्राकृतिक एवं वन क्षेत्रों, जलाशयों, पहाड़ी क्षेत्रों तथा अन्य पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटकों के लिए आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार कर उस पर कार्य किया जा रहा है। विभिन्न प्राकृतिक स्थलों एवं जलाशयों पर वेलनेस सेंटर, हॉट स्प्रींग, सफारी, एडवेंचर स्पोर्ट्स, योग ग्राम, पिकनिक स्पॉट, स्वीमिंग पुल, हेलीपैड, कल्चर प्रोग्राम एवं कल्चरल कैम्प जैसी सुविधाएं विकसित की जायेगी। पर्यटकों के लिए ट्रैकिंग रूट, बेसिक माउंटेनियरिंग एवं रॉक क्लाइंबिंग जैसी साहसिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जायेगा।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में ईको–टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए उनका पर्यटन की दृष्टि से बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। ईको–टूरिज्म के विकास से पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि ईको–टूरिज्म की योजनाओं में पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदाय की भागीदारी, रोजगार सृजन और पर्यटकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि वन, सिंचाई, पर्यटन सहित संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए बिहार के प्राकृतिक स्थलों को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करें। पर्यटन स्थलों की व्यापक ब्रांडिंग करते हुए देश–विदेश के पर्यटकों को बिहार की प्राकृतिक

एवं साहसिक पर्यटन संभावनाओं से परिचित कराने की कार्ययोजना तैयार करें। जिन प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का वर्तमान में अपेक्षित विकास नहीं हुआ है, उनकी क्षमता का आकलन कर चरणबद्ध तरीके से विकास किया जाए। स्थानीय विशेषताओं एवं उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप योजनाएं तैयार कर ईको–टूरिज्म को बिहार की पर्यटन अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बनाया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव श्री जय सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री नंदकिशोर सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

******